वैश्विक बाजार में भारत का दबदबा

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया

नई दिल्ली, 9 जनवरी, भारत में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अर्थशास्त्री क्रिस्टोफर गौरोवे का मानना है कि तमाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपनी घरेलू मांग के दम पर आने वाले समय में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा.

गौरोवे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत दुनिया के कई अन्य देशों जितनी खुली अर्थव्यवस्था नहीं है. यह बाहरी कारकों के प्रति उतना संवेदनशील नहीं है. यही कारण है कि पहले भी वैश्विक चुनौतियां का इसने मजबूती से सामना किया है और आगे भी करता रहेगा. उन्होंने कहा कि भारत इस समय लाभ की स्थिति में है. उल्लेखनीय है कि सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र की जारी विश्व आर्थिक स्थिति एवं परिदृश्य रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है. साथ ही, अगले दो साल भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया गया है. संयुक्त राष्ट्र के अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत में पारिवारिक खर्च ऊंचा बना हुआ है, सार्वजनिक निवेश मजबूत है और ब्याज दर कम है. ये सभी कारक विकास को गति दे रहे हैं. हालांकि अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर ऊंचे आयात शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का दबाव भी है.

श्री गौरोवे ने कहा कि बदलती वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों में अब दुनिया के कई देश अपने इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्रों में विविधता ला रहे हैं जिसका फायदा भारत को मिल रहा है.

> घरेलू चुनौतियों के बारे में श्री गौरोवे ने कहा कि दुनिया के कई अन्य देशों की तरह भारत भी सार्वजनिक ऋण के ऊंचे स्तर की समस्या से जूझ रहा है. देश के राजस्व का एक बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने पर खर्च हो जाता है. इसके अलावा बेरोजगारी भी एक समस्या है. उन्होंने कहा कि ऋण के बोझ का असर हर देश पर अलग-अलग होता है, और भारत पर दूसरे दक्षिण एशिया देशों के मुकाबले दबाव कम है. कई देशों को इसके कारण अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से मदद मांगनी पड़ी है. भारत सरकार का ऋण बनाम जीडीपी अनुपात पिछले वित्त वर्ष में 57 प्रतिशत से ऊपर था. सरकार ने इसे चालू वित्त वर्ष में 56.1 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है. वित्त वर्ष 2018-19 में जीडीपी की तुलना में ऋण घटकर 48.9 प्रतिशत रह गया था.

रुपया तीन पैसे टूटा

मुंबई, 9 जनवरी. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 3.25 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.9025 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा में लगातार दो दिन की तेजी के बाद गिरावट आई है. बुधवार को यह 31 पैसे की मजबूती के साथ 89.87 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी.रुपया आज नौ पैसे गिरकर 89.96 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. इसमें पूरे दिन काफी उतार-चढ़ाव देखा गया. यह नीचे 90.14 रुपये और ऊपर 89.73 रुपये प्रति डॉलर तक गया. घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट से रुपये पर दबाव रहा. अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में रही तेजी से भी रुपया कमजोर हुआ. हालांकि, बैंकों की डॉलर बिकवाली के कारण भारतीय मुद्रा की गिरावट सीमित रही.

त्वरित कार्रवाई से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित

अहमदाबाद 9 जनवरी. पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी एवं जवान यात्रियों के जीवन, सम्मान एवं संपत्ति की सुरक्षा के लिए निरंतर सतर्क एवं प्रतिबद्ध रहते हैं.

पिछले तीन दिनों के दौरान आरपीएफ द्वारा सतर्कता, त्वरित निर्णय एवं समन्वित कार्रवाई के माध्यम से कई सराहनीय कार्य किए गए हैं, जिनमें यात्रियों के कीमती सामान की सुरक्षित वापसी, चलती ट्रेन में गिरने से महिला यात्री की जान बचाना, भटकी हुई युवती को उसके परिजनों तक सुरक्षित पहुँचाना तथा नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में त्वरित रेस्क्यू शामिल हैं. चलती ट्रेन से गिरने से महिला यात्री की जान बचाई- अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 01, गेट नंबर 04 पर ड्यूटी पर तैनात महिला हेड कॉन्स्टेबल जागृति चौधरी द्वारा समय लगभग 09-40 बजे प्लेटफॉर्म के मध्य गश्त के दौरान एक महिला यात्री को चलती गाड़ी में चढ़ने से मना किया गया. इसके बावजूद महिला द्वारा लापरवाहीपूर्वक चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया गया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन एवं प्लेटफॉर्म के गैप में गिरने लगी. स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए कॉन्स्टेबल जागृति चौधरी ने तत्परता दिखाते हुए महिला यात्री को पकड़कर तुरंत ट्रेन से दूर खींच लिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई और महिला की जान बच सकी. उक्त महिला यात्री का नाम पारवाता बाई (उम्र 65 वर्ष), निवासी येवतमाल, अमरावती (महाराष्ट्र) बताया गया, जो सवारी गाड़ी संख्या 22940 के स/4 कोच, सीट नंबर 64 पर ठाट बदनेरा से जामनगर तक यात्रा कर रही थीं.

एग्रो इंडिया ने शुरू किया देश का सबसे बड़ा रीसाइक्लिंग प्लांट

500 टन मासिक क्षमता से प्लास्टिक कचरे को बनाएगा कीमती संसाधन

नई दिल्ली, 9 जनवरी. प्लास्टिक-मोल्डेड फर्नीचर बनाने वाली कंपनी एग्रो इंडिया ने गाजियाबाद में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस रीसाइक्लिंग संयंत्र का शुभारंभ किया.

इस संयंत्र का संचालन एग्रो रिसाइक्लिंग द्वारा किया जायेगा जो एग्रो इंडिया की शत-प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है. मासिक 500 टन की रिसाइक्लिंग क्षमता के साथ यह देश का सबसे बड़ा फ्लेक्सिबल प्लास्टिक रीसाइक्लिंग संयंत्र है. कंपनी ने वित्त-वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक इस क्षमता को बढ़ाकर 1,000 टन मासिक करने की योजना बनायी है. कंपनी ने इस रीसाइक्लिंग संयंत्र में 25 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश किया गया है और वित्त वर्ष 2026-27 तक 30 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की योजना है. वह आने वाले समय में देश के अन्य हिस्सों में भी रिसाइक्लिंग संयंत्र लगाने की योजना बना रही है. बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एग्रो इंडिया की स्थापना साल 2002 में हुई थी. उसके नेटवर्क में 24 राज्यों में 300 से ज्यादा वितरक और 30,000 से अधिक रिटेलर्स हैं. कंपनी ने बताया कि तीन साल से अधिक के अनुसंधान और टेक्नोलॉजी में नवाचार के बाद एग्रो ने अपना खुद का ऐसा सिस्टम तैयार कर लिया है जो इस तरह के जटिल प्लास्टिक कचरे को बड़े पैमाने पर बेहतर उपयोग के लायक बना सकता है.

> एग्रो इंडिया के अध्यक्ष एवं पूर्णकालिक निदेशक सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, देश में प्लास्टिक की समस्या का समाधान छिटपुट कोशिशों से संभव नहीं है. इसके लिए बड़े पैमाने पर प्रयास, टेक्नोलॉजी और मजबूत इरादे की जरूरत है. हमने कई साल तक अनुसंधान के बाद एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है जो जटिल प्लास्टिक कचरे को मूल्यवान कच्चे माल में बदल देता है.

सोना-चांदी में आई जबरदस्त तेजी

4,169 रुपए महंगी हुई चांदी | 1.37 लाख रुपए पार हुआ सोना

नई दिल्ली, 9 जनवरी. साल की शुरुआत में ही सोना और चांदी ने निवेशकों को चौंका दिया है. शुक्रवार को सर्राफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं के दामों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया. 24 कैरेट सोना 1.37 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम **के पार पहुंच गया, जबकि चांदी एक ही दिन में चार हजार रुपये से ज्यादा महंगी हो गई.**

अंतरर्राष्ट्रीय बाजारों से मिले मजबूत संकेत और घरेलू मांग ने इस तेजी को और हवा दी है. भारतीय सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में तेज़ उछाल देखने को मिला. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के

अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव बढ़कर 1,37,195 प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि चांदी (999 शुद्धता) 2,39,994 प्रति किलो पर पहुंच गई. चांदी में एक ही दिन में 4,168 की बढ़त दर्ज की गई, जो हाल के महीनों की सबसे बड़ी तेजी में से एक मानी जा रही है. 22 कैरेट सोने का दाम भी रुपए 1,25,671 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि 18 कैरेट सोना रुपए 1,02,896 पर कारोबार कर रहा है. इससे साफ है कि सभी शुद्धताओं में सोने के भाव में मजबूती बनी हुई है.

> चांदी की कीमतों में आई तेज़ी के पीछे औद्योगिक मांग भी बड़ा कारण मानी जा रही है. इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल और ऑटोमोबाइल सेक्टर में चांदी की खपत लगातार बढ़ रही है, जिससे इसकी कीमतों को मजबूत आधार मिला है. बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बनी रहती है और डॉलर कमजोर होता है, तो आने वाले दिनों में सोना और चांदी दोनों नए ऊंचे स्तर छू सकते हैं.

अकासा एयर को मिली आयटा की सदस्यता

नई दिल्ली, 9 जनवरी. नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर को अंतरर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघकी सदस्यता मिल गयी है. दुनिया की 360 से अधिक विमान सेवा कंपनियां आयटा की सदस्य हैं जिनका वैश्विक हवाई यातायात में 80 प्रतिशत से अधिक योगदान है. आयटा की सदस्यता हासिल करने के लिए इसके ऑपरेशनल सेफ्टी ऑडिट में अकासा का अच्छा प्रदर्शन रहा. अकासा के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि वैश्विक विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को स्वरूप देने में आयटा की केंद्रीय भूमिका है. उसकी सदस्यता मिलना प्रगति की दिशा में आयटा के अनुशासित रुख को रेखांकित करता है. अकासा की स्थापना अगस्त 2022 में हुई थी.

इरेडा को फिर उत्कृष्ट रेटिंग स्वच्छ ऊर्जा को मजबूती

नई दिल्ली, 9 जनवरी. केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने वित्त वर्ष 2024-25 **के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के साथ किये गये वार्षिक समझौते के कार्यान्वयन में पुनः उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 96.42 प्रतिशत अंक के साथ उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है.**

इरेडा की शुक्रवार को जारी लगातार पांचवां साल है जब उसे उत्कृष्ट रेटिंग मिली है और यह संगठन की परिचालन दक्षता, वित्तीय अनुशासन और मजबूत संचान व्यवस्था पर लगातार ध्यान का परिणाम है. इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा, लगातार पांचवें साल उत्कृष्ट रेटिंग मिलना इरेडा के लिए बहुत गर्व की बात है. यह पहचान हमारे कर्मचारियों के समर्पण, हमारे हितधारकों के भरोसे और भारत सरकार के लगातार मार्गदर्शन और समर्थन का सबूत है. हम देश के स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और देश के हरित ऊर्जा की तरफ प्रगति को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

शेयर बाजार लगातार पांचवें दिन आई गिरावट

मुंबई, 9 जनवरी. घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 604.72 **अंक** (0.72 **प्रतिशत) लुढ़ककर 83,576.24 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का** निफ्टी-50 **सूचकांक भी 193.55 अंक यानी** 0.75 **फीसदी गिरकर** 25,683.30 **अंक पर आ गया.**

यह दोनों सूचकांकों का दो महीने का निचला स्तर है. तेल एवं गैस, आईटी और सार्वजनिक बैंकों को छोड़कर अन्य सभी समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे.

ऑटो, एफएमसीजी, रियलिटी, फार्मा, निजी बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, वित्त, स्वास्थ्य और रसायन समूहों के सूचकांकों पर अधिक दबाव देखा गया. मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.69 प्रतिशत और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.81 प्रतिशत की गिरावट में रहा.

वेव्स बाजार से क्रिएटिव उद्योगों को नई उड़ान

नई दिल्ली, 9 जनवरी. सूचना प्रसारण की पहल वेब्स बाजार उद्योग जगत के नेतृत्व में वेबिनार और मास्टरक्लास की सुनियोजित श्रृंखला शुरू की गयी है. पूरे वर्ष चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के फिल्म, संगीत, एनिमेशन और गेमिंग क्षेत्रों में पेशेवर क्षमता बढ़ाना है. आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सृजनकारों, स्टूडियो और स्टार्टअप्स को उद्योग जगत के स्थापित पेशेवरों तक सीधी पहुंच प्रदान करना है.

विदेशी मुद्रा भंडार में 9.8 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई, 9 जनवरी. देश का विदेशी मुद्रा भंडार 02 **जनवरी को समाप्त सप्ताह में** 9.809 **अरब डॉलर घटकर पांच सप्ताह के निचले स्तर** 686.801 **अरब डॉलर पर आ गया.**

इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चार सप्ताह बढ़ा था. गत 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 3.292 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर रहा था. विदेशी मुद्रा भंडार में नवंबर 2024 के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट है. रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 02 जनवरी को समाप्त

सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 7.622 अरब डॉलर घटकर 551.99 अरब डॉलर रह गया. इसमें अमेरिका डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं जिनका मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके संदर्भ दर के आधार पर तय किया जाता है.

आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार भी 2.058 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 111.262 अरब डॉलर रह गया. लगातार पांच सप्ताह बढ़ते हुए 113.32 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद स्वर्ण भंडार घटा है. अंतरर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 10.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.771 अरब डॉलर रह गया. विशेष आहरण अधिकार 2.5 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 18.778 अरब डॉलर दर्ज किया गया.

अपने गढ़ में भाजपा को हरा पाएंगे अजित?

44 सीटों पर सीधी टक्कर, चुभने वाले बयानों से बढ़ चुकी है तल्खी

मुंबई/पुणे. महाराष्ट्र में अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) बीजेपी के अगुवाई वाली महायुति का हिस्सा है. अजित पवार राज्य के डिप्टी सीएम हैं लेकिन मुंबई से लेकर पिंपरी चिंचवड़ तक उनकी पार्टी बीजेपी के सामने लड़ रही है.

मुंबई में नवाब मलिक और पिंपरी चिंचवड़ में एनसीपी के बीजेपी के विपक्ष होने के कारण गठबंधन नहीं हो पाया. मुंबई बीएमसी चुनावों में अजित पवार की पार्टी का बीजेपी से सीधा मुकाबला नहीं है लेकिन पिंपरी चिंचवड़ में 44 सीटों पर एनसीपी और बीजेपी आमने-सामने हैं. चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ होने के बाद चर्चा है कि क्या अजित पवार बीजेपी को शिकस्त दे पाएंगे? पिंपरी चिंचवड़ को अजित पवार के प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता है.पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम में 32 प्रभाग हैं. हर एक वार्ड से चार पार्षद चुने जाएंगे. ऐसे में कुल नगर सेवकों यानी पार्षदों की कुल संख्या 128 होती है. राजनीतिक दल हर वार्ड के लिए एक चार उम्मीदवारों का पैनल मैदान में उतारते हैं. पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों में 44 सीटों पर बीजेपी और एनसीपी के उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होगा. कुल मिलाकर पिंपरी चिंचवड़ के चुनाव 2026 के लिए 692 उम्मीदवार मैदान में हैं. क्ष्छ्क्के दो उम्मीदवार, रवि लांडगे और सुप्रिया चांदगुडे, निर्विरोध चुने गए हैं. पिंपरी चिंचवड़ का चुनाव इस लिए भी अहम हो गया है क्योंकि अजित पवार ने इसी नगर निगम का जिक्र करके बीजेपी पर हमला बोला था.

> **एनसीपी से बीजेपी ने छीनी थी सत्ता**
>
> बीजेपी 2017 से 2022 तक पिंपरी चिंचवड़ में सत्ता में थी. 2017 के चुनावों में पार्टी ने 128 सदस्यों वाले सदन में 78 कॉर्पोरेटर जीतकर शानदार जीत हासिल की थी. इसके साथ ही बीजेपी ने एनसीपी को सत्ता से हटा दिया था. इससे पहले 25 सालों तक नगर निकाय पर एनसीपी का राज था. अब एनसीपी की कोशिश है कि बीजेपी को सत्ता से हटाकर वापसी की जाए. पिंपरी चिंचवड़ में जहां बीजेपी और एनसीपी के बीच 44 सीटों पर सीधी टक्कर है तो वहीं मुंबई में नवाब मलिक बीजेपी टेंशन बढ़ा रहे हैं. उन्होंने एनसीपी के किंगमेकर बनने का दावा किया है.

महिला वोट की चिंता में भाजपा

नई दिल्ली. बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जब राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने महिलाओं को मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत 10 **हजार रुपए देने शुरू किए तो राज्य में पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदल गया था.**

उस समय बिहार की बेलागंज सीट से एक राजद नेता का एक वीडिया वायरल हुआ था, जिसमें दिल्ली से गए एक बड़े पत्रकार से बातचीत में कह रहे थे कि घर की महिला कैसे परिवार से बाहर जाकर नीतीश कुमार को वोट करेगी. अगर महिला ने नीतीश को वोट करने की सोची तो उसकी पिटाई होगी. इस वीडियो ने राजद को बहुत नुकसान किया. लेकिन इससे यह भी पता चला था कि बिहार की महिलाएं जाति से अलग हट कर नीतीश कुमार के लिए वोट कर रही थीं.

बिल्कुल ऐसी ही स्थिति पश्चिम बंगाल में दिख रही है. भाजपा के एक नेता और राज्य समिति के सदस्य कालीपद सेनगुप्ता का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि महिलाएं ममता बनर्जी की लक्ष्मीर भंडार योजना से प्रभावित होकर उनको वोट करेंगी इसलिए वोटिंग के दिन महिलाओं को घरों में बंद कर देना चाहिए.

'वो हमारी बदौलत, उन्हें हमसे नहीं हमें उनसे नुकसान'

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की हुई करारी हार को कांग्रेस और आरजेडी अभी तक भूल नहीं पा रहे हैं. दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर नाकामी का ठिकरा फोर रहे हैं. एक तरफ जहां बिहार चुनाव में दुर्गति के लिए कांग्रेस आरजेडी को जिम्मेवार बता रही है तो वहीं दूसरी तरह आरजेडी ने भी कह दिया है कि कांग्रेस से गठबंधन के कारण ही राष्ट्रीय जनता दल को नुकसान उठाना पड़ा है.

दरअसल, बिहार में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों ने आरजेडी और कांग्रेस की नींद उड़ा दी है. बिहार में नई सरकार गठन के बाद मंत्रियों के बीच विभाग का बंटवारा तक हो गया लेकिन आरजेडी और कांग्रेस अपनी करारी हार को पचा नहीं पा रहे हैं. चुनावी नतीजों के बाद अब कांग्रेस बिहार में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही तो वहीं आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव हार से इतने दुखी हो गए कि उन्होंने बिहार ही छोड़ दिया है. सोशल मीडिया के जरिए हर दिन सरकार की बखिया उधेड़ने वाले तेजस्वी यादव ने खुद को एक्स और फेसबुक से तो किनारे कर ही लिया है अब वह बिहार की राजनीति से धीरे-धीरे आउट होते जा रहे हैं. तेजस्वी यादव कहां है, शायद उनक पार्टी के लोगों को भी इसकी जानकारी नहीं है.

तेजस्वी की गैर मौजूदगी में कमान पार्टी के नेता संभाल रहे हैं और किसी तरह से पार्टी को जीवित रखने की कोशिश में लगे हैं.इसी बीच महागठबंधन में शामिल कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता शकील अहमद खान ने चुनावी हार के लिए आरजेडी को जिम्मेवार बता दिया और कहा कि राजद से गठबंधन एक घाटे का सौदा है. उन्होंने कहा था कि बिहार में महागठबंधन अब सिर्फ औपचारिक रह गया है. आरजेडी के साथ गठबंधन से पार्टी को न तो चुनावी लाभ मिला और ना ही संगठन को मजबूती.

> **महागठबंधन टूट के कगार पर**
>
> बहरहाल, चुनावी के नतीजों के बाद बिहार में महागठबंधन टूट के कगार पर जा पहुंची है. हार से दुखी महागठबंधन के बड़े नेता राजनीति से नदारद हो गए हैं तो वहीं पार्टी भगवान भरोसे चल रही है. विपक्ष के सीएम और डिप्टी सीएम उम्मीदवार भी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं. वहीं कांग्रेस और आरजेडी ने नेताओं के बीच बयानों के बाण चल रहे हैं. ऐसे में सवाल है कि क्या वाकई बिहार में महागठबंधन सिर्फ औपचारिक रह गया है?

विशेष | **चंदेश्वर चंद्रवंशी को दे सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी**

नीतीश कुमार का नया दांव

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार प्रदेश इकाई में जल्द बड़ा बदलाव कर सकते हैं. वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को नई जिम्मेदारी दी जा सकती है. उनकी जगह नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है. इसके लिए कई नामों की चर्चा तेज है. जदयू द्वारा वरिष्ठता, संगठनात्मक अनुभव, जाति समीकरण और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखा जाएगा.

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष का यह बदलाव ऐसे समय पर प्रस्तावित है, जब जदयू राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी तैयारियों में जुटी है.

सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व का मानना है कि संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने, सामाजिक समीकरण साधने तथा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने को नेतृत्व में बदलाव जरूरी है. जदयू के होने वाले प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जिन नाम की चर्चा है, उनमें सबसे आगे जहानाबाद के पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी हैं. इनको प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है.

कौन हैं चंदेश्वर चंद्रवंशी?- सूत्रों के अनुसार चंदेश्वर चंद्रवंशी काफी अनुभवी नेता हैं. उनकी जहानाबाद समेत मगध क्षेत्र में मजबूत पकड़ रही है. वे सांसद रह चुके हैं. संगठनात्मक मामलों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है. सूत्रों के मुताबिक उनका अनुभव और क्षेत्रीय संतुलन जदयू को नई दिशा देने में मददगार साबित हो सकता है. ऐसे में उन्हें पार्टी की ओर से संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर मुहर लग सकती है.

वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने अपने कार्यकाल में संगठन को सक्रिय रखने की कोशिश की. हालांकि, हाल के दिनों में पार्टी के अंदर बदलाव की चर्चा होने लगी है.

> **जल्द प्रदेश कार्यकारिणी में बदलाव**
>
> माना जा रहा कि यह बदलाव किसी असंतोष से अधिक रणनीतिक पुनर्गठन का हिस्सा है. इसमें नए चेहरे को पार्टी की कमान देने की रणनीति बनेगी. वैसे, अब तक पार्टी द्वारा इस संबंध में आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. सूत्रों का कहना है कि जल्द प्रदेश कार्यकारिणी में बदलाव को लेकर औपचारिक ऐलान हो सकता है. यह बदलाव बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा कर सकता है. साथ ही आने वाले समय में जदयू की रणनीति को साफ तौर पर दर्शाएगा. नीतीश कुमार का यह कदम जदयू को संगठनात्मक रूप से और मजबूत करने तथा आगे की राजनीतिक लड़ाइयों के लिए तैयार करने की दिशा में अहम माना जा रहा है.